हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 अप्रैल 2024

तापमान

अधिकतम 37 .1 डिग्री
न्यूनतम 20 .8 डिग्री

11 पवनपुत्र को 56 प्रकार के आहार का लगेगा भोग

12 गुरबाणी से संगतों को निहाल किया

■ पीजीआई से दिल्ली तक बना ग्रीन कॉरिडोर ■ पीजीआई रोहतक में हुआ प्रदेश का दूसरा अंगदान

60 वर्षीय ब्रेन डेड महिला के परिजनों ने अंगदान कर समाज में मिसाल की पेश

मौत से हारकर भी दो लोगों को जिंदगी और दो का जीवन रोशन कर गई रोहतक की महिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पीजीआईएमएस में ऑर्गन डोनेशन का दूसरा उदाहरण सामने आया है। करीब 60 वर्षीय ब्रेन डेड महिला के परिजनों ने उनके ऑर्गन्स डोनेट किए हैं। देश सेवा से जुड़े परिवार ने ब्रेन डेड हो चुकी महिला के अंगदान का फैसला लिया और दो लोगों को जीवनदान के साथ दो लोगों के जीवन में रोशनी देकर पूरे प्रदेश में एक अंगदान की अलख जगा दी। ऐसा परिवार बहुत ही बधाई का पात्र हैं जिन्होंने दो लोगों को नया जीवन दान दिया है। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ अनीता सक्सेना का। उन्होंने अंतिम समय में परिवार को सांत्वना देते हुए कहा की परिवार ने अंगदान करवा कर प्रदेश में एक उदाहरण प्रस्तुत किया है कि हम जीतेजी तो समाज सेवा कर ही सकते हैं जाते-जाते भी हम किसी को नया जीवनदान देकर जा सकते हैं।

■ कुलपति डॉ. अनीता सक्सेना ने सोटो की टीम और ट्रांसप्लांट करने वाले सर्जनों को सराहा

निदेशक डॉ एसएस लोहचब ने रविवार को महिला के अंतिम संस्कार पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महिला के परिवार में पूरे समाज के लिए एक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक होना होगा।

आईसीयू में थी भर्ती

रोहतक में रह रहे रिटायर्ड कर्नल ने बताया कि करीब 60 वर्षीय उनकी पत्नी को ब्रेन हेमरेज होने के चलते पीजीआईएमएस के न्यूरो सर्जरी विभाग में डॉ ईश्वर सिंह की निगरानी में आईसीयू में भर्ती कराई गई, जहां डॉ तरुण व अन्य चिकित्सकों की टीम ने महिला को बचाने का आवश्यक प्रयास किया। डॉ ईश्वर ने इलाज के बाद पाया कि मरीज ब्रेन डेड लग रही है, ऐसे में उन्होंने डेथ सर्टिफिकेट कमेटी को अपना अलर्ट भेजा। इस पर निदेशक डॉ एस एस लोहचब व चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल ने तुरंत प्रभाव से कमेटी बनाकर मरीज की क्लीनिकल जांच और परीक्षण समेत सभी मेडिकल जांच करने के आदेश दिए जिसमें कमेटी ने पाया कि मरीज ब्रेन डेड हो चुकी है।

रोहतक। महिला को श्रद्धांजलि देते पीजीआईएमएस के अधिकारी व कर्मचारी।

रोहतक। अंतिम संस्कार के दौरान श्रद्धांजलि देते लोग।

बोले ...मां की यादों को जिंदा रखने के लिए किए अंगदान

मरीज के ब्रेन डेड घोषित होने के बाद डॉ ईश्वर व सोटो की टीम ने परिवार को अंगदान के बारे में बताया। इस पर महिला के पति, बेटे व बेटी ने अपनी मां की यादों को जिंदा रखने का फैसला लिया और किडनी, लीवर, फेफड़े व आंखें दान करने की सहमति प्रदान की। इसके बाद तुरंत प्रभाव से प्रदेश व अन्य राज्यों में अलर्ट भेजा गया जहां से अलग-अलग अस्पतालों की टीमें अंग लेने के लिए पीजीआईएमएस रोहतक पहुंची, लेकिन फेफड़े किसी अन्य मरीज के लिए फिट न होने के चलते केवल लीवर, किडनी व आंखें ही दान की जा सकी। इस अवसर पर कुलपति डॉक्टर अनीता सक्सेना, निदेशक डॉ एसएस लोहचब,चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल, न्यूरो सर्जरी विभाग अध्यक्ष डॉ ईश्वर सिंह, डॉ तरुण, सोटो के नोडल अधिकारी डॉ सुखबीर सिंह, डीएमएस डॉक्टर जितेंद्र जाखड़ सहित सोटो की टीम, ट्रांसप्लांट सर्जन व नेफ्रोलॉजिस्ट उपस्थित थे।

बेंगलुरू और आईएलबीएस नई दिल्ली से टीमें अंग लेने को पहुंची

पीजीआइएमएस निदेशक डॉ एस एस लोहचब ने बताया कि पीजीआईएमएस ने दूसरी बार अंगदान करवाया गया है। ऐसे में बैंगलोर, आईएलबीएस नई दिल्ली से टीमें अंग लेने के लिए पहुंची थी। उन्होंने बताया कि शरीर से अंग निकालने के बाद उसकी कुछ घंटे की मियाद होती है जिसके अंदर अंग को किसी अन्य शरीर में लगाना होता है अन्यथा वह अंग खराब हो जाता है। ऐसे में जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन से संपर्क किया गया तो उन्होंने बिना किसी देरी के तुरंत प्रभाव से रोहतक से दिल्ली तक ग्रीन कॉरिडोर तैयार करवा दिया। डॉ लोहचब ने बताया कि पीजीआई से दिल्ली तक पहुंचने में कई बार करीब 3 से 4 घंटे लग जाते हैं लेकिन रोहतक पुलिस की मदद से एम्बुलेंस लिवर को लेकर डेढ़ घंटे से भी कम समय में दिल्ली पहुंच गई। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल ने बताया कि दोनों किडनी पीजीआई में चिकित्सकीय कारणों से एक ही मरीज को लगाई गईं।

गांव से पीजीआई में इलाज करवाने आने वाले लोगों की मदद करती थी महिला

महिला के पति रिटायर्ड कर्नल ने बताया कि वह परिवार के साथ रोहतक में रहते है, जिसके चलते जब भी उनके गांव से कोई व्यक्ति पीजीआईएमएस में इलाज करवाने आता था तो वह हमेशा उनकी पूरी मदद करती और आज जब वह दुनिया से चली गई है तब भी वह समाज के लिए एक नेक कार्य कर गई है और कई लोगों को नया जीवनदान देकर गई है। उन्होंने बताया कि महिला ने हमेशा अपने परिवार को एक मजबूत स्तंभ की तरह संभाल के रखा जिसके चलते आज उनके सभी बच्चे बहुत अच्छे पदों पर कार्यरत हैं और देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके गांव की कई अंतरराष्ट्रीय महिला पहलवान भी देश का नाम रोशन कर रही हैं। न्यूरोसर्जरी विभाग अध्यक्ष डॉ ईश्वर सिंह ने बताया कि महिला हमेशा समाज की भलाई के लिए दूसरों को संदेश देती थी और अब उन्होंने जाते-जाते भी पूरे प्रदेश को अंगदान का संदेश देकर बहुत ही नेक कार्य किया है।

प्रदेश के लिए मिसाल बना सैनिक परिवार

डॉ अनिता सक्सेना ने बताया कि इस परिवार ने प्रदेश का दूसरा अंगदान करके पूरे प्रदेश में एक नई मिसाल कायम करते हुए सबके सामने एक उदाहरण पेश किया है कि हम मरने के बाद भी इस दुनिया में अपनों को कैसे जीवित रख सकते हैं।

पीजीआई ने गांव पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

निदेशक डॉक्टर एस एस लोहचब ने रविवार को महिला के गांव में पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देकर परिवार को सांत्वना दी और अंगदान के इस महान कार्य के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे समाज को प्रेरणा मिलेगी।

अंगदान की टीम ने हाथ जोड़कर किया धन्यवाद : ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर दीप्ति कुमारी व रोहित ने बताया कि महिला का पार्थिव शरीर परिवार को सौंपते हुए अंगदान प्रक्रिया में शामिल संपूर्ण टीम के साथ कुलपति डॉक्टर अनीता सक्सेना,निदेशक डॉ एस एस लोहचब, चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल, डॉ ईश्वर सिंह, सोटो के नोडल अधिकारी डॉ सुखबीर सिंह, डॉ तरुण, दीप्ति कुमारी, रोहित सहित समस्त स्टाफ ने हाथ जोड़कर संपूर्ण परिवार का धन्यवाद व्यक्त किया।

सोटो कार्यालय से प्राप्त करें दान की जानकारी

सोटो के नोडल अधिकारी डॉक्टर सुखबीर सिंह ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अंगदान के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय स्थित स्टेट ओरगन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन के ऑफिस से कार्य दिवस पर आकर जानकारी प्राप्त कर सकता है।

अंगदान व किडनी ट्रांसप्लांट में शामिल रहें

कुलपति डॉ. अनिता सक्सेना, निदेशक डॉ.एस.एस. लोहचब, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन, न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह, डॉ. गोपाल, सोटो नोडल अफसर डॉ. सुखबीर सिंह, ट्रांसप्लांट कोर्डिनेटर दिप्ती कुमारी, आईईसी कंसलटेंट राजेश कुमार, रेनू कुमारी, डॉ. गौरव शंकर पांडे, डॉ. विवेक ठाकुर, डॉ. अंकुर गोयल, डॉ. अरूण दुआ, ट्रांसप्लांट कोर्डिनेटर रोहित आदि कई चिकित्सक व कर्मचारियों ने इस अंगदान व किडनी ट्रांसप्लांट में अपना अहम योगदान निभाया। डॉक्टर अनीता सक्सेना ने टीम में शामिल सभी सदस्यों का धन्यवाद व्यक्त किया।

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर लगेगा
- नगर निगम चलाएगा सफाई अभियान
- गंदगी फैलाने पर डेयरियों के संचालकों के काटे जाएंगे चालान

खबर संक्षेप

रिसर्च मैथडोलॉजी पर कार्यशाला आज से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज एंड कॉमर्स 22 अप्रैल से चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के तत्वावधान में-रिसर्च मैथडोलॉजी विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेगा।फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज एंड कॉमर्स के डीन प्रो. ऋषि चौधरी ने बताया कि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह इस रिसर्च मैथडोलॉजी कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एएस मान भी उद्घाटन सत्र में विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। यह कार्यशाला स्वराज सदन में प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, दो घायल

सांपला। रेलवे स्टेशन के पास सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी व बच्चा घायल हो गए। पुलिस ने मृतक के भाई जिला सोनीपत के भटगांव निवासी सुरजीत के बयान पर कार चालक भैंसरु खुर्द निवासी तरुण के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस कार चालक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, सुरजीत ने बताया कि उसका भाई सुमित सांपला में रहता है। वह अपनी बाइक पर अपनी पत्नी चंदा व तीन वर्ष की बेटी मानवी के साथ अपने घर जा रहे थे। जब सुमित रेलवे स्टेशन के पास पहुंचा तो एक कार ने उसकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। जिसमें तीनों घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सुमित ने अस्पताल में दम तोड़ दिया जबकि उसकी पत्नी चंदा व बेटी घायल है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों के हवाले कर दिया। जबकि कार चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

फैक्ट्री के लिए निकला व्यक्ति लापता

रोहतक। रविदास नगर से फैक्ट्री के लिए निकला व्यक्ति लापता हो गया। परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। थाना आर्य नगर को दी शिकायत में रविन्द्र चावला निवासी रविदास नगर ने बताया कि उनका बेटा अतुल चावला 20 अप्रैल को अपने घर से अपनी फैक्ट्री हिसार बाईपास रोहतक के लिए अपनी गाड़ी में गया था। वह फैक्ट्री नही पहुंचा। उन्होंने अपने लड़के से 2-3 बार फोन पर बाते की तो लड़के ने बताया कि वह फैक्ट्री के काम से टिटोली आया हुआ है और शाम को वापिस फैक्ट्री या घर आ जाएगा। लेकिन वह घर नहीं आया। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतिक्रमण हटाने को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

रोहतक। जिलाधीश अजय कुमार ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सेक्टर 6 की भूमि, नया बस अड्डा के नजदीक स्थित 45 मीटर सड़क से अनाधिकृत कब्जे हटाने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत नायब तहसीलदार बंसीलाल को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ महिला पुलिस सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा पुलिस बल के प्रभारी निरंतर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के संपर्क में रहेंगे। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

हसनगढ़ जसोर खेड़ी मार्ग पर सात एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख

■ दमकल विभाग की टीम ने एक घंटे के बाद काबू पाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांपला

रोहतक में फसलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। एक दिन पहले ही सांपला और कई जगह गांवों में फसले जलकर खाक हो गई थी। रविवार को हसनगढ़- जसोर खेड़ी मार्ग पर दोपहर को 7 एकड़ गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग को दूसरे खेतों तक पहुंचने से रोका। वही इस्माइला में भी करीब आधा एकड़ गेहूं के फांस जल गए। दोपहर को हसनगढ़ - जसोर खेड़ी मार्ग पर चांद सिंह, मूर्ति अन्य परिजनों के गेहूं की फसल में आग लग गई और आग फैलते फैलते करीब 7 एकड़ गेहूं की फसल को चपेट में ले लिया। तभी फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सांपला से फायर बिग्रेड की गाड़ियां पहुंची और करीब 1 घंटे के बाद काबू पाया गया। जब तक पूरी फसल चलकर राख हो गई। किसान फसल कटाई की तैयारी कर रहे थे। वही इस्माईला में भी करीब आधा एकड़ गेहूं के फांस चलकर राख हो गए।

प्रताप मोहल्ला की महिला के हाथ से पर्स झपटा

रोहतक। प्रताप मोहल्ला की महिला से बाइक सवार दो युवकों ने पर्स झपट लिया। आरोपी महिला को धक्का देकर फरार हो गए। पर्स में कैश, चाबी और मोबाइल फोन था। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के कैमरे खंगाल रही है। किला रोड चौकी में दी शिकायत में चन्द्रकान्ता पत्नी अशोक कुमार निवासी प्रताप मौहल्ला ने बताया कि वह जेबीटी अध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हैं। वह शाम को डॉक्टर के पास दवा लेने गई थी। जब वह वापिस आ रही थी तो खन्ना स्कूल के पास पहुंची बाइक पर सवार दो लड़के आए मेरे हाथ से पर्स झपट लिया। आरोपियों ने उन्हें धक्का दे दिया जिससे वह गिर गई और वे पर्स लेकर भाग गए। जिसमें अलमारी की चाबी, 1500 कैश और मोबाइल फोन था। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर सूचना देकर पुलिस को मौके पर बुलाया। वह दोनों युवकों को सामने आने पर पहचान सकती हैं।

■ बाइक सवार दो युवकों ने की वारदात, सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस

110 विद्यार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नए छात्र-छात्राओं को ट्रस्ट परिवार में सम्मिलित करने के लिये प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि इस परीक्षा को देने के लिए शहर के विभिन्न स्कूलों से 110 छात्र उपस्थित हुए। परीक्षा का शुभारंभ महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी महाराज द्वारा छात्रों को प्रश्न पत्र वितरित करके किया गया। इस परीक्षा में छठीं से दसवीं तक के छात्र उपस्थित हुए। परीक्षा का संचालन दो चरणों में किया गया। सुबह विज्ञान विषय की परीक्षा हुई और दोपहर बाद गणित विषय की परीक्षा ली गई।

इस अवसर पर हरि प्रकाश गुप्ता, डॉ. डीके जैन, समाज सेवी राजेश जैन, राजीव जैन, वेद प्रकाश साहनी, संजय चावला, गोविंद राम सिंघल, अजेश गुप्ता, दिनेश गोयल, दिनेश गर्ग सहित अन्य उपस्थित रहे।

भगवान महावीर की 530 वर्ष पुरानी प्रतिमा का 108 कलशों के साथ जलाभिषेक किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

श्री दिगम्बर जैन अतिशिय क्षेत्र द्वारा आयोजित जैन समुदाय के 24वें तीर्थकर भगवान श्री महावीर स्वामी का 2623 जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धालुओं ने श्री जी का जलाभिषेक व पूजा अर्चना कर साधु संतों के आशीर्वाद से मनाया। सुबह 5 बजे सराय मौहल्ला स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में मूलनायक भगवान महावीर की 530 वर्ष पुरानी प्रतिमा का 108 कलशों के साथ जलाभिषेक व शांतिधारा श्रद्धालुओं ने संपन्न की। सभी कार्यक्रम मंदिर के मुख्य संरक्षक समाज सेवी उद्योगपति राजेश जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुए। सुबह से ही मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुंदर फूलों से सजा हुआ भगवान महावीर स्वामी का सुगंधित पालना सभी श्रद्धालुओं ने झुलाया। इसके बाद भगवान आदिनाथ पूजन, भगवान पार्श्वनाथ पूजन, भगवान महावीर स्वामी पूजन व महावीर विधान अष्टदर्व से बना महाअर्घ्य भगवान के चरणों में चढ़ाया गया।

■ सुबह 5 बजे सराय मोहल्ला स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में जुटे श्रद्धालु

रोहतक। मंदिर में भगवान महावीर की पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

भगवान की महाआरती

सभी ने महाआरती की। महिला मंडल ने भजनों के माध्यम से समा बांध दिया। यह पर्व पूरे विश्व में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर समिति के प्रधान अतुल जैन, सचिव अजय जैन, प्रदीप जैन, राजीव जैन, विकास दलाल, शलेन्द्र जैन, राजेश जैन, शलेष जैन, चक्रेश जैन, अनुज जैन, अनिल जैन, रवि जैन, राकेश जैन, प्रदीप, राजीव जैन, नवीन जैन, सुनील जैन, सतीश जैन, अनुराग जैन, संजय जैन, मनोज जैन, पुनीत जैन, हन्नी जैन आदि उपस्थित रहे।

पीजीआई के छात्रों को घुटने का ऑपरेशन करने की दी ट्रेनिंग

रोहतक। पंडित भगवत ज्ञान शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के लैक्चर थिएटर वन में रविवार को हड्डी रोग विभागाध्यक्ष डॉ रूप सिंह के दिशा निर्देशन में नी 360 डिग्री विषय पर पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए एक दिवसीय सीएमई का आयोजन करवाया गया। इंग्लैंड के मशहूर स्पोर्ट्स इंजरी विशेषज्ञ डॉक्टर अशोक गोयल रविवार की सीएमई में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

■ आर्थोपेडिक्स विभाग में एक दिवसीय सीएमई का आयोजन

जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉक्टर रूप सिंह ने बताया कि इस सीएमई में करीब 110 पीजी छात्रों सहित हरियाणा के विभिन्न मेडिकल कॉलेज के सीनियर व जूनियर रेजिडेंट चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित डॉक्टर अशोक गोयल ने घुटने की चोटों पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए घुटना बदलने की विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डाला। सीएमई के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डा आशीष देवगन ने लिगामेंट इंजरी एवम मैनिस्कस रिपेयर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की व पीजी छात्रों के लिए घुटने के मॉडल पर दूरबीन से ऑपरेशन करने की ट्रेनिंग दी जिसे सभी प्रतिभागियों ने खूब सराहा। उन्होंने बताया की इस सीएमई का उद्देश्य पीजी छात्रों को घुटने से संबंधित सभी बीमारियां जैसे की लिगामेंट इंजरी, आर्थराइटिस, घुटना बदलने जैसे विषयों से पीजी को अवगत करवाया गया। इस मौके पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

रोहतक। सीएमई में हिस्सा लेते डॉक्टर व पीजी के छात्र।

झूठ बोलना सभी सदाचार के अनुसार बुरा अनैतिक या अधार्मिक है किंतु किसी भी देश के कानून में झूठ बोलना अपराध नहीं है हां यदि अदालत में खड़े होकर कोई झूठ बोले तो उसकी बात और है।

-मन्मथनाथ गुप्त

दोनों भाई अपने परिवारों को लेकर अपने गांव के भवन में लौट आये। वही मकान अब नये जीवन का सवेरा था। तपती दोपहर खुली हवा लग रही थी। वही हंसी के फव्वारे थे। बच्चों की चहक थी। घर खुशियों से भर गया। एक नई ज़िन्दगी शुरू हो गई। गांव के लोग परिवार को इकट्ठा देखकर इज्जत करने लगे।

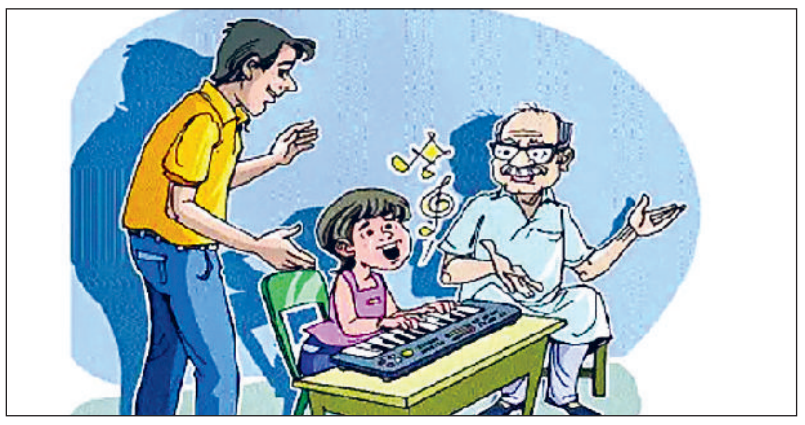

कहानी | डॉ. हरीश चंद्र झंडई

जिंदगी तपती दोपहर

जिंदगी भी क्या है। इसमें टेढ़े-मेढ़े रास्ते हैं जिसमें कठिनाइयां ही कठिनाइयां हैं। इसमें जीवन भूल-भूलैया है। जीवन में कब भटकाव आ जाए पता नहीं चलता। दादाजी ने अपने जीवन में अपने परिवार के साथ मिलकर एक लम्बा सघर्ष किया था। अपने परिवार को खड़ा किया। दूर तक कठिनाइयां दिखाई नहीं पड़ती थी। खुशियां ही खुशियां नज़र आती थीं। न जाने परिवार में कैसे परिवर्तन आया कि स्वार्थ पनपने लगा। अब निराशा की ओर बढ़ने लगा। आशाएं निराशा में बदलने लगी। अब ऐसे लगने लगा कि

ज़िन्दगी में कहीं तपती दोपहर न आ जाए। राजस्थान के मरूस्थल की गर्दिश का कोहरा न छा जाए। रेत के टीले ज़िन्दगी के सामने दीवार बनकर खड़े न हो जाएं। फिर जिंदगी सघर्ष के उसी मोड़ पर न चली जाए। सघर्ष से जीवन में खुशियों का जो नया अध्याय शुरू हुआ था। सुन्दरता की छांव ठंडक लाई थी। जिंदगी आगे बढ़ने लगी थी। लगने लगा कि सुबह अच्छी आई है तो आने वाले जीवन की सुबह भी अच्छी रहेगी। जिंदगी में काफी उतराव-चढ़ाव देखे थे। जिंदगी का कारवां कभी नही रुका था। दादाजी ने उन सपनों का महल बनवाया था। सब परिवार के सदस्य मिलकर रहते थे। सायं को आंगन में बैठकर खुशियों की चुटकियां लिया करते थे। हम सब बच्चे मिलकर लुका-छिपी का खेल खेला करते। दादा-दादी हम सब से लाड-प्यार करते थे। ज़िन्दगी ऐसी चल रही थी कि खुशियां प्रहरी का काम कर रही थी। अचानक दादी बीमार पड़ गई । दादी को फौरन शहर के डाक्टर के पास ले गये। डाक्टर ने कहा 'लीवर काफी खराब हो चुका है। कुछ दिन की मेहमान है।' दादी की बीमारी को सुनकर दादा जी बेहोश हो गये। घर में निराशा का वातावरण छा गया। लगने लगा कि परमात्मा ने जो मेहनत,प्यार,सहनशीलता और एकता से जो भवन खड़ा किया है इस क्षति को सहन नहीं कर पायेगा। हृदय में अनेक तरह की शंकाएं टीस करती। निराशा घर कर लेती। अब ज़िन्दगी में कौन प्ररेणा की ताकत बनेगा। कौन शक्ति देगा जीवन का नाम सघर्ष है। जीवन में नया सवेरा आता है जिसे ज़िन्दगी कहते हैं। अक्सर दादा-दादी इसी पर ज़ोर देते थे। समय था मरूस्थल की तपती धूप थी। दूसरी तरफ भूख और गरीबी की धधकती आग थी। दादा आगे बढ़ने की ताकत रखते थे। उन्होने मरूस्थल के जीवन से यही सीखा था। इसी में तपती दोपहर में जिंदगी बिताई थी। महल खड़ा किया था। खुशियों भरा हम सबका परिवार का जीवन था। अब क्या होगा? परिवार के हर सदस्य के हृदय में सवाल उठ रहा था। पिताजी खड़े हो गये। कहने लगे-सब ठीक हो जायेगा। यदि वक्त घाव देता है तो उसे भर भी देता है। रात के अन्धेरे में सवेरा भी होता है। वह सुबह कहलाती है। अन्धेरा कभी स्थायी नहीं रहता। उजाला आता है। दादा-दादी अवश्य ठीक हो जाएंगे। अच्छा इलाज चल रहा है। डाक्टर अच्छी देखभाल कर रहे हैं। डाक्टर आश्वासन दे रहे हैं। अचानक दादी बेहोशी में चली गई। वेंटिलेटर पर रख दिया गया। सारा परिवार गम में डूब गया। दादी चल बसी। दादा जो समझा रहे थे हालांकि बीमार चल रहे थे बोले एकता, सहनशीलता में शक्ति होती है। गम के समय इन्हें न खोना जिस दिन इन सिद्धांतों को खो दोगे 'जिंदगी साथ नही देगी इसलिए सिद्धांतों को न जाने देना। जिस दिन इन सिद्धांतों को खो दोगे सारा परिवार बिखर जाएगा।' अहंकार भी न रखना। यह आपकी मंजिल रोती दिखाई देगी। निराशाओं में खुशियां नही लौटेंगी। अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। डाक्टर के पहुचने से पूर्व पंख-पंखेरू उड़ गये। निराशा का कोहरा छा गया। घर के आंगन में परम्पराओं को निभाया जा रहा था। पंडितजी इस दुःख की घड़ी में अपने व्याख्यान में समझाया। दुःख कम हो। वह भी बुजुर्ग थे। लम्बा जीवन देखा था। उनका जीवन भी इस मरूस्थल में सघर्ष से निकला था। मरूस्थल की तपती दोपहर जीवन को निराशा देती है लेकिन आशाएं भी लाती है। जीवन बनाती है। दुःखों से लड़ना सिखाती है। तुम्हारे दादाजी ने इसी तपती दोपहरी में जीवन को आगे बढ़ाया है। महल खड़े किये हैं। तुम्हारे बुजुर्गों ने सघर्ष से इस हवेली की नींव रखी है। मान बढ़ाया है। एकता इसकी शान है। आप बनाए रखना।

दादा-दादी के जाने के बाद घर का वातावरण काफी अच्छा रहा। धीरे-धीरे भाइयों में स्वार्थ की बू आने लगी। किसी न किसी बात को लेकर झगड़े का रूप लेने लगी। छोटी-छोटी बात बड़ी समस्याओं की बड़ी हवा का रूप लेने लगीं। सहनशीलता, एकता दबने लगी। स्वार्थ सर्वोच्च होने लगा। पिताजी ने एकता को बनाए रखने के लिए धैर्य बनाए रखा। अब पैसों के कारण सारे सिद्धांत बौने लगने लगे। पिताजी ने काफी प्रयास किया परिवार की एकता बनी रहे लेकिन सब व्यर्थ। जो भाई कल तक उठते बैठते थे। बच्चे सब मिलकर खेलते थे। अब दूरियां बनाने लगे थे। खाना अलग खाने लगे। किचन अलग हो गये। जीवन के सिद्धांत मरूस्थल जीवन की ओर अग्रसर होने लगे। जिंदगी पर मरूस्थल के रेत की गर्दिश का कोहरा छाने लगा। तपती धूप की तपिश जिंदगी पर आने लगी। व्यक्तिगत जिंदगी के लिए धन उड़ने लगा। पिताजी ने बुजुर्गों के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए बनाए रखने अंत तक प्रयास करते रहे। भाइयों पर दबाव बनाते रहे, लेकिन भाई मानने को तैयार नही थे। मंजिल को बांटने की ज़िद को नहीं छोड़ा। धीरे-धीरे सब अलग हो गये। अलग अलग शहरों में चले गये और काम करना शुरू कर दिया। पिताजी उसी स्थान पर बने रहे। अपने बुजुर्गों के सिद्धांतों को बनाए रखा। वही परम्परागत कार्य को बनाए रखा। बड़े चाचा जयपुर चले गये और वहीं फैक्टरी लगा ली। काफी धन लगा दिया। छोटे चाचा ने कोटा में काम शुरू कर दिया। वहीं कोठी बना ली। पानी की तरह पैसा बहा दिया। बच्चे भी ऐशो आराम पर खर्च करने लगे।

कुछ समय बीत गया। सब काम ठीक-ठाक चल रहा था। बच्चों के खर्च पर कोई कन्ट्रोल नही था और न ही घरेलू खर्च पर कन्ट्रोल था। व्यापार पर प्रभाव होने लगा। कोरोना बीमारी के प्रभाव के कारण और भी काम ठप हो गया। धीरे-धीरे पूंजी भी खत्म होने के कगार पर आ गई। मांग कम हो गई और उधार में पैसा डूब गया। अब लगने लगा कि क्या किया जाए? जो संघर्ष भरा जीवन देखा था वह कहीं वापस न लौट आए सामने दिखाई देने लगा। दिन पर दिन अब आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई। तपती धूप जीवन को झुलसाने लगी। परिवार और बुजुर्गो के सिद्धांत याद आने लगे। दूसरी तरफ ज़िन्दगी के थपेड़े थे। संयुक्त परिवार की याद आने लगी।

बड़े चाचा को भी व्यापार में धक्का लग चुका था लेकिन कुछ समय तक संभाल लिया था। बच्चों ने कुछ समय तक साथ दिया लेकिन पूरा साथ नहीं दिया। एक दूसरे को आरोपित करने लगे। सब व्यापार का ढांचा बिगड़ गया। मार्केट में इज्जत कम हो गई। वह दिन आ गया कि उधार सिर पर आ गई। व्यापार भी ठप हो गया। अचानक एक दिन छोटे चाचा पिताजी के पास आ गये। पिताजी देखकर हैरान रह गये। इतने समय के बाद घर की कैसे याद आई है। अपने गांव को छोड़ने के बाद संबंधों में जो कटुता आ गई थी अब मिल रहे थे। पिताजी को देखकर पुरानी यादें याद आने लगी। पिताजी ने हालचाल पूछा अमर!मुझे बहुत अच्छा लगा है कि आज तुम मेरे पास आये हो। अपने घर वापस आये हो। मुझे वह पुराना समय याद आ रहा है जब हम मिलकर रहते थे। सूर्य की तपिश हमें चन्द्रमा की ठंडी छांव लगती थी। खूबसूरत जिन्दगी गुज़री। अमर चाचा उदास हो गए और बोले-नहीं भाई साहिब! हमने अपने सिद्धांतों को छोड़ दिया। आपकी बातों को स्वीकार नहीं किया। वह जैसे -जैसे बोल रहे थे। उनकी आंखों में आंसूउमड़ पड़ते। पिताजी ने कहा-मैं तुम्हारा बड़ा भाई हूं। क्या हुआ है? तुम्हारी आंखों में आंसू क्यों हैं? चाचाजी को गले लगा लिया और बोले-अमर जहां भी हो वहां अगर कोई परेशानी है तो अपने घर वापस लौट आओ। यह घर उतना ही तुम्हारा है जितना मेरा है। तुम्हारे बच्चे मेरे जीवन का भाग है। अमर चाचा चुप हो गये। अभी कुछ समय बीता ही था कि मालती जो बड़े चाचाजी की बहू थी आ गई। पिताजी के पैर छुए। अमर चाचा को नमस्ते की और पैर छुए। मम्मी ने मालती भाभी को गले लगा लिया और हालचाल पूछा। सब हैरान थे। जिस औरत के कारण घर का बंटवारा हुआ था। आज इतने समय के बाद अपने गांव में लौट आई है। यहां से बड़े बड़े सपने लेकर गई थी। आज उसके चेहरे पर मायूसी थी। उसके हृदय में उथल पुथल थी कि वह क्या बोले? हमारे पास खाने को भी मुश्किलें हैं। चेहरे के भाव बता रहे थे। सब कुछ ऐशो-आराम और नया व्यापार को चलाने के कारण दबकर रह गये हैं।

मैं भाभी के चेहरे के भावों को समझ गया । हृदय में ग्लानि पैदा अवश्य हुई लेकिन चुप रहा। बड़ों के सिद्धांत और आदर्श सामने थे। परिवार को एक करना था। परिस्थितियों ने अलग कर दिया था। मैंने सोचा कि यदि परिस्थितियां इन्सान को अलग करती हैं तो जोड़ती भी हैं। आज परिस्थितियां ने बिखराव किया है अब नज़दीक भी ला रही हैं। परिवार को इकट्ठा कर रही हैं। मेरी पत्नी शमा ने भी मालती भाभी को गले लगा लिया। आंसुओं को पौंछा और कहा-आपका घर है। हम कभी अलग नही हुए थे। कुछ समय के लिए अपने अच्छे रास्ते से भटक गये थे। मरूस्थल भूमि की दोपहर की तपिश थी। अब सायं की ठंडक है जिसमें सुबह की किरणों का नया सवेरा है। हमारे जीवन का नया सवेरा उगेगा।

दोनों भाई अपने परिवारों को लेकर अपने गांव के भवन में लौट आये। वही मकान अब नये जीवन का सवेरा था। तपती दोपहर खुली हवा लग रही थी। वही हंसी के फव्वारे थे। बच्चों की चहक थी। घर खुशियों से भर गया। एक नई ज़िन्दगी शुरू हो गई। गांव के लोग परिवार को फिर से इकट्ठा देखकर इज्जत करने लगे।

कविता | निधि राठी

रोज कौन आएगा

रोज कौन पीठ थपथपायेगा,
रोज कौन हिम्मत बनाएगा,
ये खुद की लड़ाई खुद से ही लड़नी होगी,
रोज कौन आंसू पहुंचने आएगा।

अकेले रहने की आदत डाल लो,
ना मन लगे तो खुले आसमान से दो पल गुफ्तगू कर लो,
इस हार को जीत में खुद ही तब्दील करना होगा,
रोज कौन तुम्हें संभालने आएगा।

बहुत बात छोड़ दिए जाओगे,
बहुत बार टूट कर बिखर जाओगे,
सूखे पत्तों से तुम्हें ये सीखना होगा,
रोज कैन तुम्हें समेटने आएगा?

और किसी का साथ मिल जाए तो शुक्रिया अदा कर लेना,
रुकना चाहे दो पल वह तो रोक लेना,
पर ध्यान रहे अगर कह दे वो जाने के लिए तो जाने भी देना,
अब रोज कौन तुम्हें सीने से लगाकर प्यार जताएगा।

छंद | शकुन्तला काजल 'शकुन'

मां

बड़े प्यार से मुझको पाला।
उस मां की मैं जपती माला।।

बात - बताई बचपन वाली।
उठा अठन्नी मैंने खा ली।।
आंख निकल बाहर को आई।
मां ने तब हिम्मत दिखलाई।।
खून बहा पर उसे निकाला..
उस मॉ की मैं जपती माला।।!1!

जन्म - दुबारा देने वाली।
हर दुखड़ा हर लेने वाली।।
मिलने जाऊं खुश होती है।
नहीं कभी पहले सोती है।।
स्वयं खिलाती मुझे निवाला..
उस मां की मैं जपती माला।।!2!

पर कैसे आभार जताऊं।
किन शब्दों में महिमा गाऊं।
उसके तप को कभी न भूलूं।
तर जाऊं रज उसकी छू लूं।।
चरण कमल को मान शिवाला...
उस मॉ की मैं जपती माला।।!3!

बड़े प्यार से मुझको पाला।
उस मां की मैं जपती माला।।

कविता | डॉ. ज्योति राज

नई बहू

पड़ौस में आयी है नयी बहू
घर जैसे आर्डर में आ गया है
समय पर बजती हैं कुकर की सीटियां
स्वादिष्ट सी हो गयी लगती है रसोई
नए मेम्बर के आने से
बदल सा गया है माहौल।

कई दिन चला यह शेड्यूल
कई दिन रहा घर शांत सा
तमीजदार लुभावना भी ।

अब घर लौटने लगा है पुराने रंग-रूप में
गाहे-बगाहे झल्लाने के स्वर
सुनाई देने लगे हैं ।
एक-आध बार दरवाजों के
पटकने की आवाज भी ।
धीरे- धीरे घर आ रहा है
पुरानी रंगत में ।
लगता है ... नयी बहू का
इंक्यूबेशन पीरियड
ख़त्म हो चुका है ।

कविता | किरण यादव

हज़ार दफ़ा सोच लूं

हजार दफ़ा सोच लूं
तुम्हें कहने से पहले
अपनी हद में रह लूं
तुम्हें कहने से पहले

न जाने तुम क्या सोच लो
और मैं क्या कह दूं
उन लफ़्ज़ों को थोड़ा बुन लूं
तुम्हें कहने से पहले

आ जाये थोड़ी सी गरमाहट
खींच लूं सांसें
खोल दूं हथेलियों को
सरसराती हवाओं में

ओढ़ लूं चांद में नहाई हुई चांदनी
तुम्हें कहने से पहले

वो तुम्हारी खामोश सी उदासी
हल्की सी बेचैनी की लकीरें
पढ़ लूँ चेहरे के हाव भाव
तुम्हें कहने से पहले

फिर डूब जायेंगे शब्द
तैर जाओगे तुम
और थाम लूंगी मैं
बांह तुम्हारी
थोड़ा कहने से पहले ।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

हावभाव

मुरारीलाल जी अपनी बेटी का रिश्ता लेकर रामप्रसाद जी के घर पर गये। साधारण से दिखाई देने वाले मुरारीलाल जी को देखकर रामप्रसाद जी के चेहरे पर कोई विशेष भाव नहीं थे। मुरारीलाल जी ने कहा, 'रामप्रसाद जी,मैं अपनी बेटी का रिश्ता आपके सुपुत्र से करना चाहता हूं...आपकी क्या राय है?' 'राय तो यह है श्रीमान, अभी बच्चा नया-नया नौकरी लगा ही है..थोड़े दिन और उसे स्वतंत्र रहने दूं। इसके बाद सोचेंगे।' रामप्रसाद ने चश्मा उतारते हुए कहा। मुरारीलाल ने पानी का गिलास टेबल पर रखते हुए कहा, 'चलिए जी,आपकी इच्छा है..।' उसी समय रामप्रसाद का मोबाइल बज उठा।' हैलो... कहिए शर्मा जी कैसे याद किया? उन्होंने पूछा। सामने वाले शर्मा जी से वे लगातार हां..हूं..हम्म में ही जवाब दे रहे थे। अब उनके चेहरे के हावभाव भी बदलते नज़र आ रहे थे। मुरारीलाल उठकर जाने लगे तो उन्होंने बैठ जाने इशारा किया। मुरारीलाल बैठ गये। फोन पर बात पूरी होते ही रामप्रसाद जी ने पूछा, 'मुरारीलाल जी,आपने ये नहीं बताया कि आप आयकर विभाग में अधिकारी हैं।' 'आपको कैसे मालूम चला मैं.. आयकर विभाग में अधिकारी हूँ?' मुरारीलाल जी ने पूछा। रामप्रसाद जी मुस्कुराते हुए बोले, 'जी..बड़े आदमियों की पहचान थोड़ी ही छिपती है..मेरे मित्र शर्मा जी ने अभी अभी फोन पर बताया.. दरअसल वो आपको जानते हैं।' 'जानते नहीं साहब..वे मेरे बड़ी लड़की के ससुर हैं..मेरे सम्बधी हैं।' मुरारीलाल जी ने स्पष्ट करते हुए कहा। रामप्रसाद जी बोले, 'आप को ना तो मैं अब कर नहीं सकता..रिश्ते के लिए मेरी हां समझिए जी।' मुरारीलाल ने भी चलते हुए जवाब दिया, 'सोचता हूँ, मैं अपनी इनकम टैक्स इंस्पेक्टर बच्ची को थोड़े दिन और स्वतंत्र छोड़ दूं क्योंकि अभी उसकी भी नयी-नयी नौकरी लगी है।' ये सुनकर रामप्रसाद के चेहरे पर खुशी यूं गायब हो गई, जैसे गधे के सिर से सींग।

साहित्य की ओर कम रुझान के कारण युवा वर्ग उद्देश्यहीन हो जाता है, जिसके कारण भटकाव जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। माता पिता का दायित्व है कि अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए वे अपने बच्चों को साहित्य के प्रति प्रेरित करें।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

सर्वहिताय का परिचायक है साहित्य: सुरेश जांगिड़

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति को नया आयाम देने वाले प्रबुद्ध लेखकों में सुरेश जांगिड़ उदय एक ऐसे साहित्यकार एवं कथाकार हैं, जो अपनी साहित्य साधना में समाज की दोहरी मानसिकता और कुरीतियों के खिलाफ बेबाक कलम चलाकर समाज को सकारात्मक विचाराधारा की ऊर्जा देने का प्रयास कर रहे हैं। साहित्य की विभिन्न विधाओं में वह हिंदी के साथ ही वह हरियाणवी भाषा एवं संस्कृति से दूर होते खासतौर से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए प्रेरक रचनाओं के संसार को आगे तो बढ़ा ही रहे हैं, वहीं युवाओं और बच्चों के भविष्य की बेहतर कल्पना को लेकर उनकी अक्षरधाम समित नामक संस्था पुस्तक संस्कृति के प्रचार प्रसार करने की मुहिम में अब तक 350 से ज्यादा पुस्तक मेलों का आयोजन करके देश में सर्वाधिक पुस्तक मेले आयोजित कर चुकी है। समाज को साहित्य और संस्कृति के प्रति नई दिशा देने वाली ऐसी गतिविधियों को लेकर साहित्यकार सुरेश जांगिड उदय लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। अपने साहित्यिक सफर के बारे में उन्होंने ऐसे कई पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें साहित्य के जरिए उनका यह रचनात्मक काम समाज को इस आधुनिक युग में भी अपनी संस्कृति की मूल जड़ों से जुड़ने का संदेश देता है।

कैथल में 02 जून 1965 को एक साधारण परिवार में जन्मे सुरेश जांगिड़ के घर या परिवार में कोई साहित्यिक माहौल नहीं था, लेकिन शिक्षा के प्रति बेहद जागरुकता थी। फिलहाल वह निजी कारणों से अपने एक छोटे से बगीचे में प्रकृति की गोद में अकेला अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जीवन में हर इंसान को किसी न किसी परेशानी से गुजरना पड़ता है, तो उनके साहित्यिक सफर में भी परेशानियां आना स्वाभाविक है। मसलन उनकी साहित्यिक रुचि घर वालों को कतई पसंद नहीं थी। वह जो चाहते थे नहीं हुआ और उन्हें तकनीकी शिक्षा दिलाई गई, जिसकी बदौलत उन्हें शुगर मिल में नौकरी भी मिल गई, लेकिन मन नहीं लगा तो सब कुछ छोड़कर और अधिक साहित्य लिखना शुरू कर दिया। तब तक साहित्य के लघुकथा विधा में उनकी अच्छी पहचान हो गई थी। उन्होंने बताया कि देश में पहली बार 'पोस्टर लघुकथा' प्रदर्शनी का विभिन्न शहरों में हुआ, जहां उन्हें लेखकों की खूब सराहना मिली। वैसे भी बचपन से ही उनमें साहित्य की कल्पनाशीलता प्रखर थी, इसलिए उनका चीजों और संबंधों को नजदीक से देखना और उसे अपने मायने में तोलने की आदत कब लेखन में बदल गई उन्हें भी पता ही नहीं चला। उनका साहित्यिक सफर कविताओं से शुरू हुआ। तब वह दसवीं कक्षा में थे, तो एक स्थानीय साप्ताहिक समाचार पत्र में उसकी रचनाएं प्रकाशित होना आरंभ हो तो उनका रचनाएं लिखने के प्रति आत्मविश्वास बढ़ने लगा। उनके लेखन में बढ़ती कलम को देखते हुए उन्हें स्थानीय साप्ताहिक समाचार पत्र 'हक परस्त' का साहित्य संपादक भी बनाया गया।

प्रकाशित पुस्तकें

सुरेश जांगिड़ की 12 पुस्तकों में अहसास (प्रेरक बोध कविताएं) यहीं-कहीं (लघुकथा संग्रह-पांच संस्करण), बाट मत जोहना (कहानी संग्रह), एक न एक दिन (कविता संग्रह-दो संस्करण) हरियाणवी लोककथाएं (चार संस्करण), भारतीय संविधान(पांच संस्करण), प्रकृति की अनमोल देन आंवला (पांच संस्करण), टाइम मैनेजमैंट (दस संस्करण), प्रेरक प्रसंग, प्रेरक कहानियां, प्रेरक कथाएं और तेरे होने का अहसास (लघुकविता-संग्रह) शामिल हैं। इसक अलावा उन्होंने छोटी सी हलचल, प्रेमन्द का लघुकथा साहित्य, दोहरे चेहरे संपादित लघुकथा संग्रह जैसी हिन्दी तथा हरियाणवी बोली की 120 से अधिक पुस्तकों का संपादन भी किया है। वहीं उन्होंने पांच पत्र और साहित्यिक पत्रिकाओं में संपादन करने में अहम योगदान किया है।

सुरेश जांगिड 'उदय'

पुरस्कार एवं सम्मान

एक कथाकार के रुप में पहचाने जाने वाले प्रसिद्ध साहित्यकार सुरेश जांगिड़ को हरियाणा साहित्य अकादमी ने वर्ष 2019 के लिए लाला देशबन्धु गुप्त सम्मान से नवाजा है। यह पुरस्कार उन्हें पंचकूला में फरवरी 2022 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के हाथों प्रदान किया गया। इसके अलावा विभिन्न साहित्यिक मंचों और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उन्हें अनेक पुरस्कार व सम्मान मिल चुके हैं। उनके साहित्य के प्रति समर्पण और योगदान को देखते हुए प्रदेश की अनेक सामाजिक संस्थाएं भी उन्हें अनेक बार विभिन्न पुरस्कारों से नवाज चुकी हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: सुरेश जांगिड 'उदय'
जन्म : 02 जून 1965
जन्म स्थान: कैथल (हरियाणा)
शिक्षा: बीए (प्रकाशन)
संप्रति: अध्यक्ष एवं संस्थापक अक्षरधाम समिति कैथल एवं स्वतंत्र लेखन।

साहित्य की गौरवमय परम्परा

सुरेश जांगिड़ का मानना है कि साहित्य का मानव जीवन पर बहुत गहरा असर होता है। साहित्य सदा से मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने में सर्वाधिक योगदान देता आ है और देता रहेगा। चाहे कोई भी युग रहा हो साहित्य की स्थिति में थोड़ा बहुत अंतर तो आता ही रहता है। साहित्य आज भी अपने गौरवमय परम्परा के साथ सबसे ऊपर है। साहित्य के प्रति पाठकों में कम होती रुचि पर उनका कहना है कि विज्ञान की तेज प्रगति और जीवन की अंधी होड़ में कई बार साहित्य के पाठक कम होते जाते रहे हैं। इंटरनेट ने इसे पछाड़ा तो है, लेकिन साहित्य की सार्थकता को कभी भी खत्म नहीं कया जा सकता। हां हर युग में युवाओं के सामने चुनौतियां रहती हैं और आज के दौर में युवा पीढ़ी पर सर्वाधिक बोझ बढ़ा है, क्योंकि जीवन की चुनौतियों और पैसों की अंधी दौड़ में युवा बरगला जाते हैं।

आपको अंत तक जोड़े रखेगी 'छूटते किनारे'

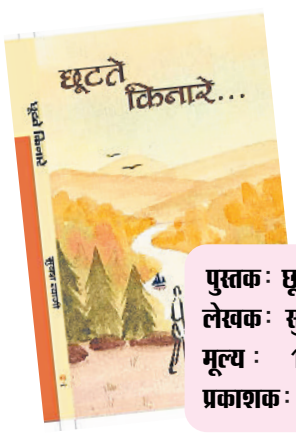

पुस्तक : छूटते किनारे
लेखक : सुयश त्यागी
मूल्य : 150 रुपये
प्रकाशक : हर्फ पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा | सौरभ तामेश्वरी

छूटते किनारे युवा लेखक सुयश त्यागी का दूसरा उपन्यास है। एक युवा के जीवन की कहानी पर केंद्रित इस उपन्यास में उम्र के सभी पड़ावों पर खड़े किरदारों की बात की गई है। उपन्यास का कथानक इतना सहज है कि कुछ पृष्ठ पढ़ते ही आप इसकी कहानी और किरदारों के साथ अपने आप को जोड़ लेंगे। उपन्यास में नायक के विद्यार्थी जीवन के साथ ही उसके संघर्षों, प्रेम, मित्रता सहित अन्य पहलुओं पर बात हुई है। इसमें युवक को एक बुजुर्ग का साथ मिलने एवं उनके परिवार के हिस्सा बनने की रोचक कहानी भी है। चूंकि लेखक स्वयं अच्छे पाठक हैं, इसलिए उन्होंने इस पुस्तक को छोटे-छोटे अध्यायों में बांटा है। यह पढ़ने को आसान बनाता है। वर्तमान परिदृश्य को देखें तो थाने तहसील के नाम को सुनकर हम कई बार असहज महसूस करते हैं, लेकिन इस पुस्तक की कहानी पढ़ते ही आपको आनंद आएगा। यहां शुरुआत थाने से हुई है। लेखक ने इस पूरे घटनाक्रम को बेहद ही रोचक अंदाज से ढाला है। यह किस्सा पढ़ते हुए आपके सामने बड़ा ही हास्यास्पद घटनाक्रम चल पड़ेगा। पुस्तक में थाने का किस्सा जब आप पढ़ेंगे तो वहीं से पुस्तक आपको अपने से जोड़ लेगी। इसको पढ़ने से आपमें बड़ी ही जिज्ञासा पैदा होगी। इसी जिज्ञासा में आप पुस्तक को कब खत्म कर देंगे पता ही नहीं पड़ेगा। 'छूटते किनारे' में जिस पात्र पर ज्यादा बात हुई है, उसके बचपन का एक घटनाक्रम बेहद ही शिक्षाप्रद है। यह किस्सा बताता है कि बच्चे तो कुछ भी पसंद कर लेते हैं, परंतु परिजनों की जिम्मेदारी है कि उन्हें बेहतर के बारे में बताएं। पुस्तक में जैसे ही युवक का प्रेम प्रसंग आएगा, तब आपके सामने एक सुंदर और समझदार लड़की आएगी। जिसके साथ के घटनाक्रम को वर्तमान परिदृश्य से जोड़कर देखना आवश्यक है। अगर आप युवा हैं तो यह किस्सा पढ़कर आपके समक्ष प्रेम संबंध बनाए रखने की समझ विकसित होगी।

सरल भाषा में लिखे इस उपन्यास में व्यक्तिगत रूप से कई स्थानों पर जुड़ाव महसूस किया। यह उपन्यास उम्र के हर पड़ाव पर खड़े व्यक्तियों के लिए है। लॉकडाउन में लिखी उनकी एक कविता पदेश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंची थी। उस कविता ने लोगों का हौसला बढ़ाया था, उस कठिन समय उन्होंने उम्मीद का एक चिराग जलाया था। इससे पहले उनकी पुस्तक 'ये फितूर और कश्मीरियत' काफी सराही गई थी।

खबर संक्षेप

11 केवी की लाइन से 450 मीटर तार चोरी

गन्नौर। गुमड़ गांव के पास 11 केवी की लाइन से चोर 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। निगम ने चोरी की शिकायत गन्नौर पुलिस को दी है। शिकायत में निगम के कर्मचारी ने बताया कि उनकी 11 केवी की लाइन है। गांव गुमड़ के पास 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। 3 मार्च की रात को चोर ट्रांसफार्मर के पास से करीब 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। गन्नौर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध केस दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

पड़ोसियों के साथ मारपीट पिता-पुत्र पर केस दर्ज

गन्नौर। भाखरपुर गांव में एक व्यक्ति ने अपने बेटे के साथ मिल कर व पड़ोसियों के साथ मारपीट कर दी। आरोपित ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। घायल ने मामले की शिकायत गन्नौर थाना पुलिस को दी है। शिकायत में भाखरपुर निवासी सुनील ने बताया कि शनिवार की शाम को वह अपने भाई के साथ घर पर था। इस बीच हरनाम व उसका बेटा घर आए और खेत से सामान उठाने की बात को लेकर उसके भाई के साथ मारपीट करने लगे।

घर में घुस कर मारपीट चार पर केस दर्ज

गन्नौर। खेड़ी तगा गांव में घर में घुस कर मारपीट के आरोप में पुलिस ने एक महिला समेत चार के विरूद्ध केस दर्ज किया है। बड़ी थाना में दी शिकायत में खेड़ी तगा गांव के अशोक ने बताया कि उसके चाचा जय भगवान व उनके घर आया था। आरोप है कि घर में आते ही उसके चाचा के लड़के विक्की ने उसे गाली दी और लोहे के कडे.से उसके सिर पर चोट मारी। विक्की के बड़े भाई जयबीर ने भी उसके साथ मारपीट की।

महिला के साथ मारपीट मां-बेटे पर केस दर्ज

गन्नौर। बजाना कला गांव में एक महिला व उसके बेटे ने गांव की महिला के साथ मारपीट कर दी। घायल महिला ने मामले की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में बजाना कला गांव की मनीषा ने बताया कि 20 अप्रेन को वह अपने घर के बाहर कपड़े धो रही थी। इस बीच वहां पर दर्शना अपने पालतू कुत्ते के साथ उनके मकान के सामने गोबर डालने आई थी। उसके कुत्ते ने उनके बर्तनों पर पेशाब कर दिया।

डीसी अजय कुमार को मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा

क्रिकेट मैच में डीसी-11 टीम ने मीडिया-11 को 81 रनों से हराया

स्वीप अभियान के तहत अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जा रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। अपनी टीम के साथ उपायुक्त अजय कुमार।

जिला प्रशासन द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करवाने के उद्देश्य से लगातार व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं चुनावी भागीदारी (स्वीप) अभियान के तहत अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में आज झज्जर रोड स्थित रेड बॉल क्रिकेट स्टेडियम में डीसी-11 व मीडिया-11 के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। इस मैच में डीसी-11 की टीम 81 रनों से विजयी घोषित की गई। अंपायर का दायित्व पत्रकार देवेंद्र शर्मा ने निभाया। कमेंट्री पत्रकार देवेंद्र दांगी, मेनपाल मुदगिल, संजय टीटी व सिद्धार्थ ने की।

डीसी अजय कुमार को मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। डीसी-11 टीम का नेतृत्व जहां उपायुक्त अजय कुमार ने किया, वहीं मीडिया-11 टीम के कप्तान पत्रकार अनिल शर्मा रहे। दोनों कप्तानों के बीच टॉस हुआ और डीसी-11 ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। डीसी-11 की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 196 रन बनाए। डीसी-11 की ओर से ओपनिंग बल्लेबाज के रूप में डीसी अजय कुमार व एएसपी लोगेश मैदान में आए।

उपायुक्त अजय कुमार ने 27 गेंद में तीन चौकों की मदद से 20 रनों का योगदान दिया। पत्रकार दिनेश कौशिक की गेंद पर निखिल के हाथों डीसी अजय कुमार कैच आउट हुए, जबकि लोकेश को बॉलर नवीन कुंडू ने बोल्ड कर दिया। एएसपी लोगेश कुमार ने 9 गेंद पर दो चौकों की सहायता से कुल 11 रनों का योगदान दिया। इसी प्रकार से जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कुमार ने 17 गेंद पर 12 रन बनाए और वह नवीन कुंडू की गेंद पर बोल्ड हो गए। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त विजय सिंह मलिक ने 18 गेंद में छह चौके मारकर 34 रनों का योगदान दिया।

नगराधीश अंकित कुमार ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 35 रन बनाए। उन्होंने 26 गेंद में पांच चौके भी जडे। इसी प्रकार महेंद्रपाल (एचसीएस) ने 12 गेंद पर दो चौके लगाकर कुल 16 रनों का योगदान दिया और उन्हें परमिंदर कौशिक ने बोल्ड कर दिया। डीसी-11 की ओर से एकमात्र छक्का ओपी गोदारा ने लगाया। उन्होंने 11 गेंद में तीन चौके व एक छक्के की सहायता से कुल 27 रन बनाए और वह परमिंदर कौशिक की बॉल पर दिनेश कौशिक के हाथों कैच आउट हो गए। रामेंद्र मलिक ने 16 गेंद पर एक चौके की सहायता से पांच रन बनाए और वह नॉट आउट रहे। मीडिया-11 की ओर से दिनेश कौशिक ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए। इसी प्रकार से नवीन कुंडू ने दो, दिनेश कौशिक ने एक व दीपक भारद्वाज ने एक विकेट लिया।

मीडिया-11 की ओर से संजीव कौशिक ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 28 गेंद में पांच चौके लगाकर 27 रन बनाए। ओपनिंग दिनेश कौशिक व अमित भारद्वाज ने की। दीपक भारद्वाज ने 15, मैनपाल ने 17, रवि ने 12, जोगिंदर खुंडिया ने 6, परविंदर कौशिक ने दो, दिनेश कौशिक ने एक तथा निखिल दांगी ने सात रन बनाए। इस प्रकार मीडिया-11 की टीम आठ विकेट पर 115 रन ही बना पाई। डीसी-11 की ओर से महेंद्रपाल (एचसीएस) ने एक, ओपी गोदारा ने एक तथा वीरेंद्र ने दो विकेट लिए।

एएसपी लोगेश कुमार व पत्रकार नवीन कुंडू को बेस्ट बॉलर घोषित किया गया। इसी प्रकार दिनेश कौशिक को बेस्ट फील्डर घोषित किया गया व ओपी गोदारा को बेस्ट बल्लेबाज घोषित किया गया। मीडिया-11 की टीम को रनर अप की ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि डीसी-11 को विजेता टीम की ट्रॉफी दी गई। इस मैच को प्रायोजित करने पर डीसी अजय कुमार ने एलपीएस बोसार्ड के निदेशक राहुल जैन, नरूला डायग्नोस्टिक केंद्र के डॉ. अरुण नरूला, डॉ. अपूर्व नरूला व डॉ. अर्जुन नरूला को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्य

उपायुक्त अजय कुमार ने बाद में मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि डीसी-11 व मीडिया-11 के बीच एक अच्छे माहौल में मैच खेला गया है। उन्होंने कहा कि इस क्रिकेट मैच का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को आगामी चुनाव में मतदान करने का संदेश देना था। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि लोकसभा चुनाव में मतदाता शत-प्रतिशत मतदान करें। उन्होंने कहा कि सभी विभागों द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए लगातार स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इसी प्रकार की और भी गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के अध्यक्ष मनमोहन कथूरिया, पत्रकार दीपक खोखर, सुनीत धवन, सन्नी निझावन, राजीव जैन, कोच शक्ति सिंह, कमल खत्री, अमित दहिया व कुलदीप उपस्थित रहे।

महम अनाज मंडी में 2 लाख 89 हजार 224 क्विंटल गेहूं

- मंडी में खरीदी जा चुकी है 1 लाख 69 हजार 845 क्विंटल गेहूं
- सरसों की फसल का उठान न होने से आढ़तियों व किसानों को हो रही परेशानी
- आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान बादाम सिंह ने कहा कि अधिकारियों को कर चुके हैं शिकायत
- गेहूं का समुचित तरीके से हो रहा है उठान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

महम अनाज मंडी में अब तक 1 लाख 69 हजार 845 क्विंटल गेहूं की खरीद हो चुकी है। जबकि मंडी में इसके अलावा भी 1 लाख 19 हजार 379 क्विंटल गेहूं बिना खरीदा हुआ पड़ा है। गेहूं का उठान समय पर और समुचित तरीके से किया जा रहा है। गेहूं के उठान को लेकर किसानों व आढ़तियों को कोई शिकायत नहीं है। लेकिन सरसों का उठान न होने से आढ़तियों व किसानों को परेशानी हो रही है। आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान बादाम सिंह ने बताया कि सरसों की फसल के उठान को लेकर आढ़ती मार्केट कमेटी के अधिकारियों से भी मिल चुके हैं। लेकिन सरसों का उठान नहीं किया जा रहा। रविवार को मंडी में गेहूं की आवक नहीं हुई। लेकिन अब तक की आवक की बात करें तो यहां पर अब तक 2 लाख 89 हजार 224 क्विंटल गेहूं पहुंच चुकी है। इसमें से खरीद एजेंसी वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन द्वारा 34134 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है। वहीं हैफेड ने अब तक 1 लाख 19 हजार 282 क्विंटल गेहूं की खरीद की है। फूड एंड सप्लाई विभाग द्वारा अब तक 16429 क्विंटल गेहूं खरीदा है। सरसों की फसल की बात करें तो महम अनाज मंडी में अब तक 94 हजार 174 क्विंटल सरसों की फसल की आवक हो चुकी है। जिसमें से 93 हजार 158 क्विंटल सरसों की खरीद हो चुकी है। खरीद एजेंसी वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन द्वारा 63 हजार 539 क्विंटल सरसों खरीद है, जबकि हैफेड ने 29619 क्विंटल सरसों खरीदी है। मंडी में 1016 क्विंटल ऐसी सरसों है, जिसकी खरीद होनी बाकि है। महम अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन ने सरसों की फसल का उठान करने की मांग की है।

शादी का झांसा देकर युवती से कई बार दुष्कर्म

गोहाना। महिला थाना गोहाना क्षेत्र की 21 साल की युवती को करनाल के एक युवक ने शादी का झांसा देकर उससे कई बार दुष्कर्म किया। उनकी मुलाकात प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते समय हुई थी। शादी से मना करने पर युवती ने पुलिस को शिकायत दी। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। युवती ने पुलिस को बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। करनाल का एक युवक भी नौकरी करता था, जिससे उसका संपर्क हुआ। युवक ने उसे शादी करने का झांसा दिया। वह उसे बातचीत के बहाने रेस्तंत्रा में लेकर जाता और उससे दुष्कर्म किया। युवक ने उसे शादी से इंकार कर दिया।

बीमारी और छेड़खानी से बचने के लिए लड़की का खिलाड़ी होना जरूरी: जयहिंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद रविवार को रोहतक के बसाना गावं की शहीद भगत सिंह गर्ल्स कबड्डी अकेडमी द्वारा आयोजित कबड्डी महाकुम्भ में बतौर अतिथि पहुंचे। उन्होंने कहा आज लड़कियों के लिए खेल बहुत जरूरी है, बीमारी और छेड़खानी से बचाने के लिए अपनी बहन -बेटियों को खेल जरुर सिखाए। नवीन जयहिंद ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया और कहा कि जीत और हार तो होती रहती है लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी है खेल की भावना का होना, मिलजुल कर खेलना। खेल हमारे अंदर टीम वर्क और नेतृत्त्व की स्किल को पैदा करता है। जिन्दगी में हमें हर चुनौती से लड़ने की शक्ति देता है। हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी हमारा शरीर है। अगर तन ठीक है तो मन भी ठीक रहेगा और हमारा जीवन भी अच्छा होगा। इस मौके पर नवीन जयहिंद ने एकेडमी की डायरेक्टर निधि पायल और मैनेजर मोनू जाखड की सराहना करते हुए कहा कि निधि और मोनू दोनों ही समाज के लिए एक सराहनीय काम कर रही है। इस तरह से बिना किसी के सहारे के एक खेल अकेडमी को चलाना अपने आप में बहुत बड़ा संघर्ष है।

एशियन क्वान की डो फेडरेशन के प्रेजीडेंट बने डॉ. ढुल

- डॉ. ढुल ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्वान की डो खेल को एशियाई महाद्वीप में युवाओं के मध्य लोकप्रिय बनाने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। बैठक को सम्बोधित करते हुए श्रीजेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं के वाइस चांसलर डॉ देवेन्द्र सिंह ढुल।

इंटरनेशनल ओलम्पिक कमेटी व तफिशा से सम्बद्ध इंटरनेशनल क्वान की डो फेडरेशन के प्रेजीडेंट कारोल डेरेला की अध्यक्षता में एशियाई फेडरेशन के गठन को लेकर हुई बैठक में खेल क्षेत्र, खेल प्रबंधन में श्रीजेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं के वाइस चांसलर डॉ. डीएस ढुल को सर्वसम्मति से एशियन क्वान की डो फेडरेशन का प्रेजीडेंट चुना गया। डॉ. ढुल ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्वान की डो खेल को एशियाई महाद्वीप में युवाओं के मध्य लोकप्रिय बनाने की घोषणा की। रोहतक के एक निजी रेस्तरां में दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस के बाद रविवार को एशियन क्वान की डो फेडरेशन के गठन उपरांत पहली वार्षिक सामान्य बैठक बुलाई गई। भारत के अतिरिक्त चीन, नेपाल, ओमान, श्रीलंका, भूटान, कतर, दुबई, आबु-धाबी, थाईलैंड, पाकिस्तान व इंडोनेशिया के प्रतिनिधि इस एजीएम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। क्वान की डो खेल को एशिया महाद्वीप में योजनाबद्ध तरीके से विस्तार देने के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया।

इस कार्यकारिणी में श्रीजेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनूं के वाइस चांसलर व खेल क्षेत्र में बेहतरीन परिणाम देने वाले डॉ डीएस ढुल को प्रेजीडेंट चुना गया, जबकि इंटरनेशनल क्वान की डो फेडरेशन के तकनीकी निदेशक एवं रोमानिया मूल के मास्टर ओवी डू कोवाकी को कार्यकारिणी का चेयरमैन चुना गया। इसी प्रकार सीईओ सतीश ढुल, महासचिव सुमित ढुल, सीनियर वाइस प्रेजीडेंट डॉ. दिनेश कुमार को बनाया गया। नवनियुक्त प्रेजीडेंट डॉ डीएस ढुल ने कहा कि एशियाई फेडरेशन जल्द ही सभी सम्बद्ध एशियाई देशों में क्वान की डो को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी सत्र आयोजित करेगा। यही नहीं खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एशियन क्वान की डो चैंपियनशिप के माध्यम से बेहतरीन अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

किराए पर रहने वाली महिला को पहली मंजिल से नीचे फेंक हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गांव बढ़मलिक में किराए पर रहने वाली महिला की पहली मंजिल से नीचे फेंक कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। महिला की मरने से पहले एक युवक पर नीचे फेंकने का आरोप लगाया। आरोपों की एक किराएदार ने वीडियो बना ली। फिलहाल पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मूलरूप से बिहार के जिला पूर्णिया के गांव शादीपुर निवासी असमत ने राई थाना पुलिस को बताया कि वह एक साल से बढ़मलिक की सहारा कॉलोनी में प्रमोद के मकान में किराए पर रहते हैं। उनका कमरा मकान की तीसरी मंजिल पर है। रविवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे उन्हें शोर सुनाई दिया। वह बाहर आए तो नीचे गली में भीड़ लगी थी। नीचे आकर देखा तो बिल्डिंग की पहली मंजिल में कमरा नंबर-29 में रहने वाली राजस्थान के जिला सीकर के गांव ताजपुर की पूनम जमीन पर पड़ी थी। जिसके दोनों पैर टूटे हुए थे। पूनम ने बताया कि उसे चंदन चौरसिया ने छत से धक्का दिया है। पूनम के घटना की जानकारी देने के दौरान उन्होंने उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। वहीं, मामले की शिकायत डायल-112 पर दी। पूनम को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां गंभीर हालत के चलते उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने असमत के बयान पर चंदन चौरसिया के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अभी तक 108889.66 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि अभी तक 108889.66 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई।

इसमें से कलानौर साइलो में 4948.04 मीट्रिक टन, किलोई में 6220.10, लाखनमाजरा में 3865.47 , मदीना में 4062.60, महम मंडी में 16984.40 , रोहतक मंडी में 45633.30 , सांघी में 6341.95 तथा सांपला मंडी में 20833.80 मीट्रिक टन की खरीद की गई है। इसी प्रकार गत 22961.99 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है।

इसमें से कलानौर मंडी में 7234.13 मीट्रिक टन, महम मंडी में 9277.28 , रोहतक मंडी में 2199.90 तथा सांपला मंडी में 4250.68 मीट्रिक टन की खरीद की गई है।

कविता पाठ में पूनम, डिबेट में मनीष और पेंटिंग में पूनम ने मारी बाजी

- राजकीय महाविद्यालय महम में हुई प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

महम। विधिक विषयों की प्रतियोगिता में भाग लेते राजकीय महाविद्यालय महम के विद्यार्थी।

राजकीय महाविद्यालय महम में विधिक विषयों पर डिबेट, ऑन स्पॉट पेंटिंग, पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन व कविता पाठ आदि प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई। डिबेट मे मनीष, हेमा व मनीषा विजेता रहे और ऑन स्पॉट पेंटिंग मे पूनम, गीत व अर्पिता क्रमश प्रथम, द्वितिय व तृतीय स्थान पर रहे। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन में साक्षी प्रथम स्थान पर रही। कविता पाठ में पूनम, अलका व हिमांशी ने क्रमश प्रथम, द्वितिय व तृतीय स्थान हासिल किय। प्राध्यापक पिंकी, सरिता, संदीप शर्मा व भूपेंद्र सिंह आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई। विजेता प्रतिभागी अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता राजकीय महाविद्यालय सांपला में 26 अप्रैल को होगा। यह पूरा कार्यक्रम प्रिंसिपल इंचार्ज रोहित कुमार के निर्देशन में हुआ। प्राध्यापिका डॉ. सुनील कुमारी ने विधिक साक्षरता मिशन के अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया।

रोहतक। सॉफ्ट स्किल्स एंड एसएसबी गाइडेंस प्रोग्राम संपन्न पर विद्यार्थियों के साथ यूथ सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट की परियोजना निदेशक प्रो. शालिनी सिंह ,ब्रिगेडियर एसएस जून तथा निदेशक युवा कल्याण डॉ. जगबीर राठी ।

उज्जवल भविष्य की कामना के साथ संपन्न हुआ एसएसबी गाइडेंस प्रोग्राम

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण कार्यालय के तत्वावधान में संचालित यूथ सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट फॉर ऑल सर्विसेज का सत्र 2023-24 का 8वां सॉफ्ट स्किल्स एंड एसएसबी गाइडेंस प्रोग्राम संपन्न हो गया। यूथ सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट की परियोजना निदेशक प्रो. शालिनी सिंह ने बताया कि इस प्रोग्राम में 28 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रोग्राम में विद्यार्थियों की सॉफ्ट स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, एसएसबी गाइडिंग- साइकोलॉजिकल टेस्ट, ग्राउंड टास्क तथा एसएसबी इंटरव्यू टेक्नीक्स पर विशेष फोकस किया गया। प्रो. शालिनी सिंह, ब्रिगेडियर एसएस जून तथा निदेशक युवा कल्याण डॉ. जगबीर राठी ने इस प्रोग्राम में शामिल विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

मंदिर में पिछले 6 दिन से भक्त हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ चल रहा

पवनपुत्र को 56 प्रकार के आहार का लगेगा भोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर कार्यक्रम की जानकारी देती गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी।

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री जी के सानिध्य में 23 अप्रैल चैत्र पूर्णिमा को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। हर साल हनुमान जन्मोत्सव चैत्र पूर्णिमा पर मनाया जाता है। इस बार 23 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव बहुत खास है, क्योंकि इस दिन कई शुभ योग का संयोग बन रहे है। इस दिन बजरंगबली की पूजा का दोगुना फल प्राप्त होगा। संकट मोचन मंदिर में सुबह 10 बजे श्री कीर्तन, हनुमान की पूजा अर्चना और गुरुमां साध्वी मानेश्वरी देवी के प्रवचन होंगे। भगवान हनुमान को 31 किलो के लड्डू और 56 प्रकार के व्यंजन का भोग लगेगा। जिसमें इमरती, चूरमा, गाजर का हलवा, मोतीचूर व गुड़ के लड्डू, सवामणी का प्रसाद, आनार, पेठा आदि होंगे। इस उपलक्ष में मंदिर में पिछले 6 दिन से भक्त हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ कर रहे हैं जिसका समापन भी मंत्रोच्चारण और विधिनुसार होगा। समाजसेवी एडवोकेट पीएन कथूरिया 110 बजे पूजा-अर्चना करके ध्वजारोहण करेंगे।

हनुमान भगवान भोलेनाथ के रुद्र अवतार हैं

साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि अंजली पुत्र हनुमान भगवान भोलेनाथ के रुद्र अवतार हैं। हनुमान की माता सीता ने अमरता का वरदान दिया था, इसलिए कलयुग में हनुमान ऐसे देवता हैं जो आज भी जीवित हैं, जो सच्चे मन से इनका सुमिरन करता है, ये उसकी सारी चिंताएं हर लेते हैं। हनुमान राम भक्त हैं और इन्हें संकट मोचन भी कहा जाता है।

वर्ष में दो बार आता है हनुमान महोत्सव

साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि हनुमान महोत्सव वर्ष में दो बार मनाया जाता है। प्रथम हनुमान जन्मोत्सव चैत्र की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह दिन भगवान हनुमान के बोध दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। दूसरा दीपावली से पूर्व जिसे कार्तिक चौदस का नाम देते हैं। इस दिन हनुमान ने पृथ्वी पर मानव रूप धारण किया था। इस रूप में हनुमान ने मानव कल्याणार्थ कार्य किए। उन्होंने धर्म की रक्षा कर मानव मूल्यों को नई दिशा दी थी।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

तुरंत आवश्कता है
लेबर - 50
टैक्टर ड्राईवर - 10
फोरमैन - 4
वेतन: 10 हजार से 20 हजार
(प्रति माह) रहना फ्री
M. 7206158000
8950588800
शिव शंकर सैटरिंग स्टोर

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE

BHGYASHREE Bollywood Actors
DR. KAWATRA M. 9215161430
निःसंतान दम्पत्तियों
को शादी के सालों साल बाद जब हमारे ईलाज से उन दम्पत्तियों को संतान सुख प्राप्त हुआ, उन लाभार्थ दम्पत्तियों के नाम व पते हमारे पास सुरक्षित हैं।
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

आईआईएमयूएन का सम्मेलन संपन्न

रोहतक। आईआईएमयूएन ने 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक विभिन्न स्कूलों के साथ एक शहर स्तरीय परिषद का आयोजन किया। इस परिषद का उद्देश्य तत्त्वों को पूरा करते हुए मदुरै के युवाओं को प्रेरित करना है, जो विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

सम्मेलन में विभिन्न पृष्ठभूमियों से रुचि रखने वाले युवा व्यक्तियों का संवाद हुआ। आपके क्षेत्र में आपकी सक्रिय भागीदारी का यह समय प्रतिभागियों में गहरे और प्रेरणादायक भावनाओं को उत्पन्न करने में सहायक होगा, जो मौजूद व्यक्तियों के बीच जागरूकता को बढ़ाएगा।

तीन दिन चला महोत्सव

तीन दिनों तक चलने वाला एक शैक्षिक महोत्सव में जहां छात्रों ने जीवंत बहसों में सक्रिय रूप से भाग लिया वहीं स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित भी किया। इन समिति सत्रों ने उनके कौशलों को बढ़ावा दिया। सम्मेलन के समापन पर प्रत्येक समिति के अद्वितीय प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

बता दें कि 220 शहरों और 35 देशों में मौजूदगी के साथ आईआईएमयूएन ने अपनी एमयूएन सम्मेलनों के माध्यम से 5 मिलियन छात्रों के जीवनों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। विश्व की सबसे बड़ी युवा नेतृत्व वाले संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त भारत का अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र आंदोलन (आईआईएमयूएन) का मिशन आज के और कल के नेताओं को भारतीय मूल्यों के तहत एक साथ आने के लिए संवेदनशील करना है। व्यक्तिगत स्तर पर, विश्व स्तर पर चुनौतियों का सामना करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करके, आईआईएमयूएन युवा मनों को सशक्त बनाता है।

आस्था: शोभायात्रा निकाली, श्रीजी की आरती की

रोहतक। जैन सभा के तत्वावधान भगवान महावीर स्वामी के 2623वां जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर सकल जैन समाज ने शहर में स्वर्ण रथ यात्रा गाजे बाजे के साथ साधु संतों की छत्रछाया में निकाली। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि सुभद मुनि महाराज, समाज सेवी व वैश्य एजुकेशन सोसाईटी के प्रधान नवीन जैन, दीपक जैन, विनोद जैन, मनोज जैन, विनय जैन, रविन्द्र जैन नवल, अचिन जैन, राजीव जैन ने धर्म की झंडी दिखाकर यात्रा को शहर भ्रमण के लिए रवाना किया। बाबरा मौहल्ला श्री दिगंबर जैन मंदिर से श्री जी को रथ यात्रा पर विराजमान करके झज्जर रोड स्थित वैश्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शुरू होकर भगवान महावीर मार्ग, अप्रोच रोड, रेलवे रोड, दुर्गा भवन मंदिर, इंदिरा मार्केट, केवल गंज, बाबरा बाजार, बड़ा बाजार, पिथवाड़ा मौहल्ला, दिल्ली दरवाजा, गोहाना अड्डा, शांत माई चैक, शहर के सभी स्थानकों व श्री दिगंबर जैन मंदिरों में होते हुए बाबरा मौहल्ला स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में पहुंची, जहां इन्द्रो ने 108 कलशों द्वारा श्री जी का अभिषेक कर महाशांति धारा की। सभी ने संगीतमय महा आरती की। इसके बाद समाज के सभी भक्तों को गंदोदक दिया गया। शोभायात्रा में चल रहे श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के संदेश प्राणी मात्र से प्रेम करो, जियो और जीने दो, सभी धर्मों का सार मत करो जीव सहार के अनुकरण का संदेश दिया। महिलाएं हाथ में बैनर पोस्टर लिए भगवान महावीर के संदेशों से लोगों को जागरूक कर रही थी। सभी ने भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव मनाते हुए पालन झुलाया और बधाई के गीत गाये।

शोभायात्रा में समाज के श्रद्धालुओं ने अपने घरों व दुकानों के आगे रथ में विराजमान श्रीजी की आरती उतारी।

शोभायात्रा को धर्म की झंडी दिखाकर करते हुए वैश्य एजुकेशन सोसाईटी के प्रधान नवीन जैन, दीपक जैन व विनोद जैन।

रोहतक। जैन सभा के तत्वावधान में शोभायात्रा में पूजा अर्चना करते हुए पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर।

खबर संक्षेप

आज प्रारंभ होगी दो दिवसीय वर्कशॉप

रोहतक । महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग 22-23 अप्रैल को- पत्रकारिता का भविष्य विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेगा। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष एवं इस कार्यशाला के कंवीनर प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि प्रतिष्ठित पत्रकार निधिश त्यागी बतौर रिसोर्स पर्सन इस कार्यशाला में शिरकत करेंगे। प्राध्यापक सुनित मुखर्जी तथा डॉ. नवीन कुमार इस कार्यशाला के कोऑर्डिनेटर हैं। यह कार्यशाला जेएमसी सेमिनार हाल में 22 अप्रैल को प्रातः 10 बजे प्रारंभ होगी।

24 को शिव पंजाबी धर्मशाला में शिविर

रोहतक। संत निरंकारी मिशन 24 अप्रैल को मानव एकता दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन बाबा गुरबचन सिंह के परोपकारी जीवन एवं उनकी लोक कल्याण की भावना को समर्पित है। 24 अप्रैल को शिव पंजाबी धर्मशाला में सुबह 8 बजे से 1 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के साथ मानव एकता दिवस समागम का आयोजन भी होगा, जिसकी अध्यक्षता भिवानी से ज्ञान प्रचारक बहन कविता चौहान करेंगे। जिला के संयोजक हेमंत निरंकारी ने बताया कि बाबा गुरबचन सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन मानवता के कल्याणार्थ समर्पित किया।

मुसीबत: प्रशासन से सड़क बनवाने की मांग की

रुपया चौक से भगत बालचंद चौक तक की सड़क टूटी, वाहन हो रहे दुर्घटनाग्रस्त

हादसे का डर: आए दिन यहां कोई न कोई होता रहता हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

झज्जर बाईपास पर रुपया चैक से भगत बालचंद चौक की सड़क काफी समय से जर्जर हो चुकी है। इसकी वजह से न केवल वाहन हादसाग्रस्त हो रहे हैं बल्कि राहगीरों भी चोट लगकर घायल हो रहे हैं। आए दिन यहां कोई न कोई हादसा होता रहता है। सड़क टूटी होने की वजह से हजारों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन इस सड़क का निर्माण करवाने के लिए आवाज उठाई है।

जानकारी के अनुसार, इस सड़क की लम्बाई चार किलोमीटर से ज्यादा है। इसका निर्माण कई साल पहले किया गया था। इस सड़क से भारी वाहनों का आना जाना लगा रहता है जिसमें सबसे ज्यादा ट्रक ट्राले शामिल हैं। इन वाहनों की वजह से और बरसाती पानी जमा होने की वजह से सड़क कई जगह से टूट चुकी है। ऐसे में रोहतक के अलावा आसपास के गांव सुनारियां, बालंद, रिटौली, कबूलपुर, बेरी आदि के राहगीर हादसों का शिकार हो रहे हैं। इसके साथ ही यहां से सैकड़ों स्कूल बसों का भी गुजरना होता है।

मैनेजर पंकज, वाहन चालक सोमबीर ने बताया कि उनकी कंपनी के वाहनों यहां आना जाना लगा रहता है।

सड़क टूटी होने की वजह से उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी प्रशासन से मांग है कि इस सड़क का जल्द से जल्द निर्माण कार्य करवाया जाए ताकि यहां होने वाले हादसों पर रोक लगाई जा सके।

रोहतक। सड़कों पर बने गडढ़े दिखाते वाहन चालक। फोटो :हरिभूमि

गाड़ी चालक होते परेशान

मच्छरों की भरमार, बदबू से हाल बेहाल

गांव बोहर मेलवान पाना में गलियों में गंदा पानी भरा, ग्रामीण परेशान

रोहतक। सोनीपत रोड स्थित गांव बोहर के मेलवान पाना में गंदा पानी गलियों में भर गया है। इसकी वजह से ग्रामीणों का जीना दुभर हो गया है। गली में मच्छरों की संख्या बढ़ने से बीमारियों का डर बना हुआ है। उन्होंने वार्ड पार्षद और निगम अधिकारियों के समस्या के निवारण की मांग की है। पार्षद को भेजी गई शिकायत में दीक्षित, सूरज, दिनेश, अभिषेक, हरिकिशन, सत्यप्रकाश, बलवान, नीरज, बीरमति, संतोष आदि ने बताया कि गलियों में गंदा पानी भर गया है। जिसकी वजह से आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंदे पानी की बदबू की वजह से वे गली से भी नहीं गुजर सकते। इसके अलावा घरों में भी बदबू आती है। स्कूल आने जाने वाले बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। पानी की वजह से मच्छरों की संख्या बढ़ गई है। उन्होंने पार्षद सहित निगम अधिकारियों को भेजी गई शिकायत में गलियों की सफाई की मांग की है।

गुरबाणी से संगतों को निहाल किया

रोहतक। गुरुद्वारा मंजी साहिब लाखनमाजरा में सिखों के नौवें गुरू गुरू तेग बहादुर का गुर पूरब बड़ी श्रद्धा और सत्कार से मनाया गया। भाई हरजीत सिंह हरमन कथावाचक और भाई गुरप्रीत सिंह शिमला वालों ने गुरबाणी कथा और कीर्तन से संगतों को निहाल किया। गुरू का लंगर अटूट बांटा गया। कार्यक्रम की सेवा सरदार अवतार सिंह खुराना परिवार की ओर से की गई। इस मौके पर हरियाणा सिख गुरूद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान सरदार भूपिंदर सिंह असंध, सरदार गुरजींदर सिंह मेंबर, सरदार सुदर्शन सिंह, बीबी परमिंदर कौर, सरदार सिमरन सिंह खुराना, सरदार परमजीत सिंह, अवतार सिंह कोचर, महिंद्र सिंह, मलकीत सिंह पाहवा, राम सिंह, पूरण सिंह आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

गणित शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने और विषय में रूचि को बढ़ाने के तरीकों पर हुई चर्चा

रोहतक। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय गणित सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। सम्मेलन में विभिन्न विषयों गणित, साइंस, सोशल साइंस के वक्ताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। दो दिनों के दौरान सम्मेलन ने कई सत्र और पैनल चर्चाओं को आयोजित किया गया, जहां प्रतिभागियों ने अपने शोध फिंडिंग्स, नवाचार और खोज को प्रस्तुत किया। सम्मेलन ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और सोशल साइंसेज में गणित के महत्व को हाइलाइट किया। गणित के भूमिका पर विशेष ध्यान दिया गया और इसे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने और नवाचार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण माना गया। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने छात्रों के बीच गणित शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने और विषय में रूचि को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। समापन सत्र में डॉ. राजवीर सिंह भूतपूर्व डीएसडब्ल्यू महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि तथा डॉ. दलीप सिंह विभागाध्यक्ष गणित विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि रहे। प्रतिभागियों के योगदान और उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रमाणपत्र और पुरस्कार भी वितरित किए गए।

विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया

रोहतक। मदवि के गणित विभाग में एमएससी मैथेमेटिक्स के प्रीवियस ईयर के स्टूडेंट्स ने फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सृष्टि को मिस फेयरवेल तथा आशीष को मिस्टर फेयरवेल के खिताब से नवाजा गया। बिन्नी को क्यूटी पाई तथा रोहित को मिस्टर हेंडसम चुना गया। गणित विभागाध्यक्ष प्रो. दलीप सिंह ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढने के लिए मोटीवेट किया तथा जीवन में योग का महत्व बताया। गणित विभाग के प्रो. जेएस सिक्का तथा प्रो. राजीव कुमार ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मंच संचालन विद्यार्थियों भूमिका व कुशल ने किया। विभागाध्यक्ष प्रो. दलीप सिंह व प्रो. सुमित गिल ने चुने गए विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. सविता राठी, डॉ. अंजू पंवार, डॉ. मीनाक्षी हुड्डा, डॉ. एकता नरवाल, डॉ. मोनिका संगवान, डॉ. नेहा फोगाट व डॉ. सोनिका समेत शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खेरड़ी में लगाया रक्तदान शिविर

कलानौर। गांव खेरड़ी में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष एवं गुरु रविदास की स्मृति स्थापित करने पर गुरु रविदास कमेटी एवं एमडीयू के छात्र नेता अमन आलड़िया द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अमन ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए, रक्तदान करने से लाखों लोगों को जिंदगियां मिलती हैं। संसार में जो सबसे बड़ा दान है वो रक्तदान है। सोनू पिलाना, गुलशन, रमेश आलडिया, प्रदीप, मंजीत, विक्रम, विकास, देवेंद्र आदि ने लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया।

शिविर में 600 लोगों ने करवाई जांच

महम। राजा खुराना की पुण्यतिथि पर रविवार को पंजाबी रामा कल्ब में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर के संयोजक डॉक्टर गिरीश खुराना रहे। अशोक खुराना ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की पत्नी आशा हुड्डा ने शिविर में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची। जबकि पूर्व मंत्री आनंद सिंह दांगी और उनके बेटे बलराम दांगी ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर समारोह में शिरकत की। इस शिविर में महम तथा आसपास के क्षेत्रों से 600 से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। डॉ. अमित भूषण शर्मा ने हृदय, डॉ. विनित वर्मा ने हड्डी, डॉ. भूषण कथूरिया ने ईएनटी, डॉ. राज मेहता ने बच्चों, डा. रोहित

101 युवाओं ने किया रक्तदान

जैन स्थानक जनता कॉलोनी में श्री पंच परमेष्ठी युवा मंडल द्वारा शिविर में रक्तदान करते रक्तदाता।

रोहतक। जैन स्थानक जनता कॉलोनी में श्री पंच परमेष्ठी युवा मंडल द्वारा 14वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसका आयोजन भगवान महावीर व हनुमान जयंती के अवसर पर जैन संत सुभद्र मुनि महाराज के मंगल आशीर्वाद से किया गया। एसएस जैन सभा अध्यक्ष श्यामलाल जैन व महामंत्री नरेश जैन, संजय जैन व जगदीश जैन ने रक्तदाताओं को बैच लगाकर सम्मानित किया। युवा मंडल के अध्यक्ष विवेक जैन ने बताया कि शिविर में 101 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। विवेक जैन ने बताया कि इस बार खास बात यह रही कि सभी रक्तदाता युवा ही थे और 50 से ज्यादा युवा ऐसे थे, जिन्होंने पहली बार रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में ज्यादातर 40 साल से कम उम्र के रहे। मौके पर साहिल गुप्ता, राहुल, गौरव, साहिल, रोहित, अमन, अरिहंत, अतुल, हिमांशु, केशव, चकित, मिहिर, गौतम, स्पर्श, मयूर, ईशांत, चिराग, मोहित, रिषभ, सक्षम, शिवम, शुभम, विनीत आदि मौजूद रहे। चिराग मित्तल व अरिहंत जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मदवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर कार्यक्रम

एआई की विश्वसनीयता व चुनौतियों पर फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मूल्य आधारित जनसंपर्क प्रक्रिया अपनाने तथा जन- केंद्रित जनसंप्रकीय प्रणाली विकसित करने का आह्वान रविवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिष्ठित मीडिया विशेषज्ञ, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रोफेसर डॉ. विक्रम कौशिक ने व्यक्त किए। राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम का आयोजन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग तथा जनसंपर्क कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा सृजित सामग्री की विश्वसनीयता तथा दुष्प्रचार की चुनौतियों की ओर इंगित करते हुए प्रो. विक्रम कौशिक ने कहा कि विश्वास जीतना, विश्वसनीयता, तथा सत्य-तथ्य आधारित सामग्री का संप्रेषण जनसंपर्क का फोकस होना चाहिए। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि भारत में प्राचीन समय से वाचिक परंपरा रही है। जनसंप्रकीय कार्य वाचिक परंपरा के तहत संचालित किया जाता रहा। प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि राज व्यवस्था से लेकर धार्मिक-सामाजिक मूल्य प्रचार व्यवस्था में जनसंपर्क का विशेष महत्व रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन प्राध्यापक तथा निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी ने किया। राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाने के इतिहास तथा लोकतंत्र में जनसंपर्क के योगदान को सुनित मुखर्जी ने रेखांकित किया। आभार प्रदर्शन प्राध्यापक डॉ. नवीन कुमार ने किया। उन्होंने जनसंपर्क कार्य में ईमानदारी और मूल्यों के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मताधिकार करने की शपथ भी सामूहिक रूप से ली गई।

रोहतक। विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी। फोटो : हरिभूमि

मोहित समेत कई ने जीते स्वर्ण पदक

रोहतक। सेक्टर- 2 में रविवार को रोहतक डिस्ट्रिक्ट किक-बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न अकादमियों के 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना दिखाते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन दिया। धार्य ने 67 किलो भार वर्ग मोहित को हरा कर स्वर्ण, माही ने 24 किलो भार वर्ग में सोनाक्षी को हरा कर स्वर्ण, मोनिका ने 48 किलो भार वर्ग में मुन्नी को हरा कर स्वर्ण,तनीषा कादयान,संजीत हुडा,शौर्यवीर और तेजवीर कादयान ने अपने अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। विशेष अतिथि के रूप में पंजाब नेशनल बैंक शाखा प्रमुख कृष्ण सिंधु और हरदीप सिंह मौजूद रहे। रेफरी के रूप में जसवंत,मोनिका और प्रीति ने भूमिका निभाई। जिला किक बॉक्सिंग एसो अध्यक्ष डॉ. देवेंदर सभरवाल ओर सचिव दीपक सिवाच ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।